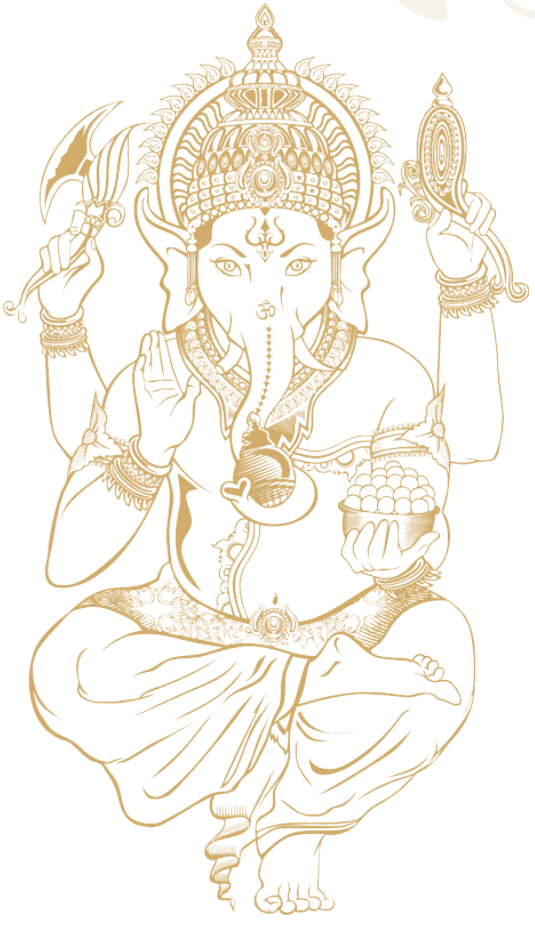

Vaishnavi

27 Sep 1999

03:05 PM

Milak

Model: web-freekundliweb

Order No: 120900202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/09/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:05:00 घंटे**
इष्ट	22:32:42 घटी
स्थान	**Milak**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:37:00 उत्तर
रेखांश	79:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:51:44 घंटे
वेलान्तर	00:08:47 घंटे
साम्पातिक काल	15:14:41 घंटे
सूर्योदय	06:03:55 घंटे
सूर्यास्त	18:04:33 घंटे
दिनमान	12:00:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:59:19 कन्या
लग्न के अंश	11:42:03 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	11:42:03	413:59:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			कन्या	09:59:19	00:58:50	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मेष	05:59:35	14:30:37	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	22:18:14	00:41:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	24:15:14	01:34:46	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	स्वराशि
गुरु	व		मेष	09:21:14	00:06:07	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	29:34:42	00:31:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:38:07	00:02:52	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	17:48:04	00:08:10	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	17:48:04	00:08:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:17:07	00:01:14	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:48:52	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:18:39	00:01:16	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			तुला	27:15:13	--	विशाखा	--	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

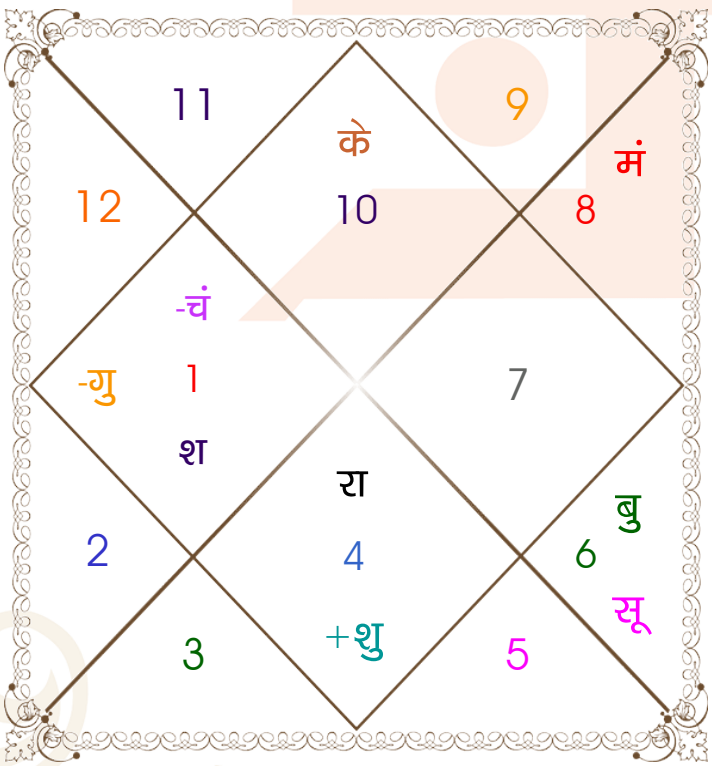

चन्द्र कुंडली

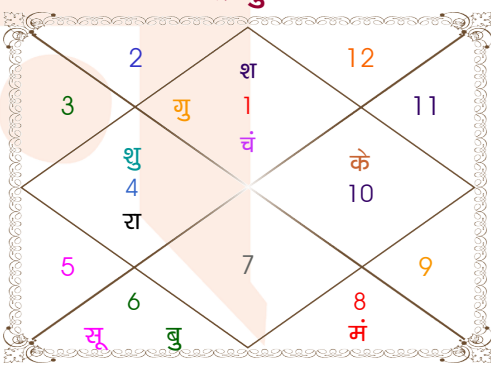

नवमांश कुंडली

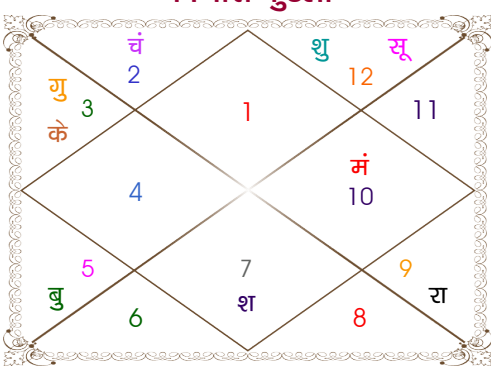

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 10 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/09/1999		05/08/2003		05/08/2023		04/08/2029		05/08/2039	
05/08/2003		05/08/2023		04/08/2029		05/08/2039		04/08/2046	
	00/00/0000	शुक्र	04/12/2006	सूर्य	22/11/2023	चंद्र	05/06/2030	मंगल	01/01/2040
	00/00/0000	सूर्य	04/12/2007	चंद्र	23/05/2024	मंगल	04/01/2031	राहु	18/01/2041
	00/00/0000	चंद्र	04/08/2009	मंगल	28/09/2024	राहु	04/07/2032	गुरु	25/12/2041
	00/00/0000	मंगल	04/10/2010	राहु	22/08/2025	गुरु	03/11/2033	शनि	03/02/2043
	27/09/1999	राहु	04/10/2013	गुरु	11/06/2026	शनि	05/06/2035	बुध	31/01/2044
राहु	23/07/2000	गुरु	04/06/2016	शनि	24/05/2027	बुध	03/11/2036	केतु	28/06/2044
गुरु	29/06/2001	शनि	05/08/2019	बुध	29/03/2028	केतु	04/06/2037	शुक्र	29/08/2045
शनि	07/08/2002	बुध	05/06/2022	केतु	04/08/2028	शुक्र	03/02/2039	सूर्य	03/01/2046
बुध	05/08/2003	केतु	05/08/2023	शुक्र	04/08/2029	सूर्य	05/08/2039	चंद्र	04/08/2046

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/08/2046		04/08/2064		04/08/2080		05/08/2099		05/08/2116	
04/08/2064		04/08/2080		05/08/2099		05/08/2116		00/00/0000	
राहु	17/04/2049	गुरु	22/09/2066	शनि	08/08/2083	बुध	01/01/2102	केतु	01/01/2117
गुरु	10/09/2051	शनि	04/04/2069	बुध	17/04/2086	केतु	30/12/2102	शुक्र	03/03/2118
शनि	17/07/2054	बुध	11/07/2071	केतु	27/05/2087	शुक्र	29/10/2105	सूर्य	09/07/2118
बुध	03/02/2057	केतु	16/06/2072	शुक्र	26/07/2090	सूर्य	05/09/2106	चंद्र	07/02/2119
केतु	21/02/2058	शुक्र	15/02/2075	सूर्य	08/07/2091	चंद्र	04/02/2108	मंगल	06/07/2119
शुक्र	21/02/2061	सूर्य	04/12/2075	चंद्र	06/02/2093	मंगल	01/02/2109	राहु	28/09/2119
सूर्य	16/01/2062	चंद्र	04/04/2077	मंगल	17/03/2094	राहु	21/08/2111		00/00/0000
चंद्र	17/07/2063	मंगल	11/03/2078	राहु	21/01/2097	गुरु	26/11/2113		00/00/0000
मंगल	04/08/2064	राहु	04/08/2080	गुरु	05/08/2099	शनि	05/08/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म प्रभाव से अनुकूल संकेत यह प्राप्त हो रहा है कि आप अपने जीवन में प्रसिद्धि प्राप्त कर अपने नाम को उजागर करेंगी। क्योंकि आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न में उस समय हुआ, जिसमें मेदिनीय क्षितिज पर लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण लग्न के साथ ही उदित हुआ था। मकर राशीय आकृति से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि आप हर दशा में धन संचित कर सुखद आनंददायक पारिवारिक जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपके साथ सुंदर एवं समझदार पत्नी एवं अच्छे पुत्रादि के संयोजन का प्रभाव परिलक्षित हो रहा है।

आपके जीवन का अत्यंत अनुकूल समय आपकी आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष का समय रहेगा। इस अवधि में आप बहुत सफलता प्राप्त कर, धनी महिला बन जाएंगी। आप इस अवधि में समय का सदुपयोग कर के आपके लिए पर्याप्त धन एकत्र करने का सुंदर समय रहेगा। इसलिए आप कोई किसी प्रकार के आभाव के प्रति चिंतित न हो। क्योंकि आपके पास इतना धन हो जाएगा कि आपका संपूर्ण जीवन विस्तार पूर्वक व्यतीत होगा।

आप एक उत्तम मेधावी एवं शक्ति संपन्न प्राणी होंगी। आप अपनी सफलता हेतु किसी भी प्रकार के साहसिक कार्य को संपादन करने हेतु सक्षम हैं। आपके लिए व्यवसायों में आपके गुण के अनुसार भूमि से संबंधित कार्य अति अनुकूल होंगे। यथा खनिज, कोयला (खुदाई) खनन का कार्य, कृषि कार्य, तेल एवं पेट्रोल का कार्य, लाभदायक होगा। यदि आप अपनी बुद्धि को संतुलित कर ले तो अपने स्तर में विकास कर विशिष्टता प्राप्त कर सकती हैं तथा आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति विश्वसनीयता पूर्वक कर सकते हैं। आप सर्वथा गायन कला, गणितीय कार्य एवं ज्योतिषीय कार्य में जिसमें आपकी अभिरूचि हो उस कार्य में सफल होंगी।

आप धार्मिक भावना की आस्तिक प्राणी हैं। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आपकी इच्छा धर्म दर्शन की अधिक से अधिक शिक्षा ग्रहण करने की रहेगी एवं पराविद्या के प्रति रूचिवान रहेंगी। आप उदार प्रवृति की प्राणी हैं। आप किसी भी परिस्थिति में धार्मिक अथवा समाज सेवी संस्था को अनुदान प्रदान करने में कभी भी नहीं हिचकेंगी। यह वास्तविकता है कि आप अपने मन की ऊंची लहर को वृद्धावस्था में पूर्ण कर के समाज में सेवा का कार्य करेंगी।

आपके उत्तम आचरण के कारण आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं मनोहर रहेगा। परंतु कतिपय अतिरिक्त रोगादि का प्रभाव कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकता है। आपकी पाचन शक्ति कमजोर है। आपको कफ, सर्दी, जुकाम अथवा शारीरिक चर्म रोगादि भी प्रभावित कर सकता है। आपको इन रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। आपको सर्वदा अपने शारीरिक कार्य-कलाप के प्रति पैनी दृष्टि रखनी चाहिए। आप आंशिक रूप से शारीरिक जख्म के कारण अधोगामी हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन लाभकारी है। परंतु सोमवार, गुरुवार एवं रविवार का दिन प्रतिकूल है।

आपके लिए अंकों में अंक 6, 8 एवं 9 अंक सर्वदा अनुकूल है, परंतु स्पष्ट रूपेण 3 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए पीला एवं क्रीम रंग त्यागनीय है। जबकि रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग अनुकूल एवं साहस प्रदायक है।